राष्ट्रमंडल खेल –2014

20वें राष्ट्रलमंडल खेल 23 जुलाई, 2014 को ग्लारसगोव में प्रारंभ हुए। परम्पएरा के अनुसार, राष्ट्रोमंडल खेलों की अध्येक्ष महारानी एजिलाबेथ द्वितीय ने खेलों के उद्घाटन की घोषणा की। ब्रिटेन के सर्वाधिक सफल ओलिम्पिक साइक्लिस्टा, सर क्रिस होय को यह सम्मा न प्रदान किया गया कि वे महारानी को बेटन भेंट करें। 11 दिन के इस खेल महोत्सयव में 71 देशों एवं क्षेत्रों के 4,929 एथलीट पदकों की होड़ में 17 खेलों में हिस्सा। लेगें।

2010 के राष्ट्र मंडल खेलों का मेजबान राष्ट्रो होने के नाते भारतीय दल को राष्ट्रों की परेड का नेतृत्वक करने का अवसर मिला, जिसकी अगुवाई ध्वटज धारक और ओलिम्पिक में रजत पदक विजेता निशानेबाज विजय कुमार ने की।

सेल्टिक पार्क, जो स्कॉटलैंड के प्रमुख लीग चौम्पियनों का केन्द्र कहा जाता है, को नाटकीय ढंग से उद्घाटन समारोह में तब्दीटल किया गया था, जिसमें 40 हजार दर्शकों ने हिस्सा लिया और करीब एक अरब लोगों ने टेलीविजन पर इस समारोह का आनंद उठाया। इस समारोह का केंद्र बिंदु लगभग 2000 लोगों द्वारा प्रस्तुनत लाइव शो रहा। यूरोप का सबसे बड़ा एलईडी स्क्रींन लगाया गया था और समूची पिच को कवर करते हुए विशेष स्टे ज फ्लोर का निर्माण किया गया था। एथलीटों की परेड के लिए विशेष ग्राउंड तैयार किया गया था।

राष्ट्रामंडल खेलों की पृष्ठिभूमि

राष्ट्रामंडल खेल एक अंतर्राष्ट्री य, बहु–क्रीड़ा प्रतियोगिता है जिसमें राष्ट्रेमंडल खेलों के एथलीट हिस्साट लेते हैं। ये खेल सबसे पहले 1930 में आयोजित किए गए थे और उसके बाद से हर चार वर्ष बाद आयोजित किए जाते हैं। ओलिम्पिक और एशियाई खेलों के बाद इन खेलों को विश्वष की तीसरी सबसे बड़ी बहु–क्रीड़ा प्रतियोगिता कहा जाता है।

राष्ट्रंमंडल के हालांकि 53 सदस्य हैं लेकिन राष्ट्रगमंडल खेलों में 71 टीमें हिस्सा लेती हैं। इसकी वजह यह है कि अनेक ऐसे क्षेत्र हैं जो स्वबयं के झंडे के नीचे प्रतिस्पर्धाओं में हिस्साज लेते हैं। युनाइटेड किंग्डोम के चार गृह प्रांत इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्सा और उत्तरी आयरलैंड भी अपनी अलग–अलग टीमें भेजते हैं। कुल 17 खेलों के अंतर्गत 261 पदक स्पृर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। पहली बार पांच अलग अलग खेलों एथलेटिक्स, साइकलिंग, लॉन बॉल्सो, तैराकी और भारोत्तोटलन) में रिकॉर्ड 22 पैरा स्पोर्ट प्रतिस्पलर्धाएं आयोजित की जाएंगी। 2010 के खेलों में तीरंदाजी और टेनिस शामिल थे जिनके स्थासन पर अब ट्राइथलोन और जूडो को शामिल किया गया है।

भारतीय उम्मीदें

भारत 215 सदस्योंप के सुदृढ़ दल के साथ इन खेलों में हिस्साय ले रहा है,जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा दल है। भारत को उम्मीकद है कि 2010 के दिल्लीा राष्ट्रमंडल खेलों में उसने जो 101 पदक जीते थे उनमें इस बार और सुधार होगा।

भारतीय दल को 6 खेलों में विशेष उम्मीदें हैं :–

निशानेबाजी :– यह उन प्रतिस्पर्धाओं में से एक है, जिसमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहने और उसे अपनी पदक संख्याक में सुधार लाने की उम्मीद है। विजय कुमार, गगन नारंग और अभिनव बिंद्रा सभी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की आशा की जा रही है।

कुश्तीन– भारतीय कुश्तीप दल का नेतृत्वी दो बार के ओलिम्पिक पदक विजेता सुशील कुमार और लंदन ओलिम्पिक में कांस्यर पदक विजेता योगेश्व र दत्ती कर रहे हैं और इन दोनों पहलवानों से भारत को उम्मीादें हैं। महिलाओं के वर्ग में भारत की उम्मीदें बबीता फोगट पर टिकीं हैं।

भारोत्तोलन – भारतीय भारोत्तोालक रवि कुमार और सुखेन डे का प्रयास होगा कि वे पिछले राष्ट्रलमंडल खेलों की पदक संख्याक 8 में इस बार इजाफा करें।

जिम्नास्टिक्स– भारत को अशीष कुमार से ग्लासगो खेलों में स्वर्ण पदक की उम्मीाद है। महिलाओं के वर्ग में भारत को दीपा कर्माकर से विशेष उम्मीमदें हैं।

मुक्केंबाजी– भारतीय महिला मुक्केमबाज ग्लाहसगो में पहली बार मैदान में उतरेंगी। मैरी कोम और पिंकी जांगड़ा के लिए अच्छीय संभावनाएं लगती हैं। पुरुपों के वर्ग में विजेन्द्र सिंह एक बड़ा नाम है।

एथलेटिक्सड – देश को उम्मीद है कि कृष्णा पूनिया और विकास गौड़ा की डिस्कस टीम दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के अपने प्रदर्शन की पुनरावृत्ति करेगी।

"क्लाइड" आधिकारिक चिन्ह

एक भटकटैया व्यक्ति "क्लाइड" को आधिकारिक चिन्ह बनाया गया है। इसका नाम शहर के साथ बहने वाली नदी के नाम पर रखा गया है। खेल के आयोजकों के अनुसार इसका चयन स्कॉटलैंड के प्रतीकवाद और ग्लाकसको की खूबसूरती एवं पसंद को ध्याान में रखकर किया गया है।

ग्लासको में जारी खेलों में अनेक नए विचारों इस्तेमाल किए जा रहे हैं :–

इंतजार के स्थानों पर कविताएं

23 जुलाई से 3 अगस्ता तक ग्लातसको राष्ट्ररमंडल खेलों के दौरान क्यू–पोइटिक्स् (पंक्ति काव्यर) के अंतर्गत शहर में इतजार करने के सभी स्थारनों पर नई दृष्य् एवं श्रव्य संस्थापनाओं के जरिए कविताएं, अभिनय कविताएं और मंचीय कविताएं प्रदर्शित की गई हैं, जिन्हें पंक्ति में रहने के समय डाउनलोड किया जा सकता है।

ताजा समाचारों की व्यहवस्थक

रात के समय ग्लीस्गो, 2014 की दिनभर खबरें देने के लिए एक कल्पित समाचार कक्ष श्श्टार्टन टूनाइटश्श की स्थापना की गई है। इसमें निरंतर कामेडी शो विकसित किए जाते हैं और पार्श्वरवर्ती हास्य मंच, ऑनलाइन विषयवस्तुं और समाचारों से संबंधित फिल्में पूरे शहर में देखी जा सकती हैं।

22 जुलाई से 2 अगसत तक यह तीव्रगामी थिएटर न केवल ग्लास्गो 2014 से रोमांचक खबरें प्रदान करेगा, बल्कि उनसे संबंधित पात्रों को भी प्रस्तुलत करेगा।

फ्लोटिला

सभी आकारों और रूपों की 250 नौकाओं पर 1000 से ज्यादा लोगों का समूह, आरवाइए, स्कॉआटलैंड कॉमनवेल्थ फ्लोटिला शनिवार, 26 जुलाई को ग्रीननोक से रवाना किया गया है जो ग्लास्गो 2014 राष्ट्रामंडल खेलों का आनंद लेने के लिए पूरे शहर की यात्रा करेगा।

खेलों का उपहार

श्खेलों का उपहारश नामक कार्यक्रम का उद्देश्यर विकलांग बच्चों को उनके माता–पिता या किसी व्यंस्क संरक्षक के साथ खेल दिखाने की व्यस्था करना है।

कल्चर 2014

खेलों के आयोजन के हिस्से के रूप में विश्वभर से आए दर्शकों के मनोरंजन के लिए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। इस कार्यक्रम को कल्चोर 2014 का नाम दिया गया है।

खेलों के साथ–साथ ग्लास्गो 2014 में जबरदस्तक उत्स व का माहौल है। 19 जुलाई से 3 अगस्त तक की अवधि के लिए ग्लास्गो की सड़कों, स्थालों और विभिन्न मंचों पर मनोरंजन, संस्कृति और आमोद–प्रमोद के अनेक मिले जुले कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

इस कार्यक्रम में थिएटर, संगीत, नृत्यद, दृश्यय कलाएं, कामेडी और मल्टी –मीडिया बाइसिकल पर करतब और नदियों में जल–क्रीड़ाएं, समुदाय केन्द्रों, कला–दीर्घाओं, सिनेमाघरों, सार्वजनिक स्थललों और ऐसे ही बहुत सारी अन्य गतिविधियां शामिल हैं।

विशेष रूप से तैयार किए गए दो लाइव जोन मुख्या आकर्षण होंगे। इनमें से एक ग्लास्गोा ग्रीन और दूसरा विस्तादरित एवं संवद्धित मर्चेन्ट सिटी फेस्टिवल में बनाया गया है। यहां आप खेलों की धड़कन महसूस कर सकते हैं, बड़े परदे पर खेलों के लाइव प्रसारण का लुत्फ उठा सकते हैं। कलाओं और खेलों में भागीदारी कर सकते हैं। आउटडोर स्ट्ेज पर संगीत, नृत्य, कामेडी और फिल्मों का आनंद उठा सकते हैं। ये सब आयोजन खेलों के स्थल और शहर के मध्य में किए गए हैं।

मर्चेन्ट सिटी फेस्टिवल

मर्चेन्ट सिटी फेस्टिवल ग्लास्को का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है। 2014 में यह अपने आयोजन का 13वां वर्ष पूरा कर रहा है। इस बार इसकी अवधि 11 दिन–रात के लिए बढ़ाई गई है। ग्लास्कों के सांस्कृतिक हलके में यह उत्सव हर किसी के लिए विशेष मनोरंजन के अवसर उपलब्ध कराता है।

अफ्रीका इन मोशन (एआईएम)

ग्लीस्कोस 2014 सांस्कृलतिक कार्यक्रम के हिस्सेी के रूप में श्स्पो र्ट्स स्टोमरीज फ्रॉम अराउंड द अफ्रीकन कॉमनवेल्थो नाम के फिल्मोात्स का आयोजन 28 जुलाई 2014 तक किया गया, जिसमें ग्लास्को। के विभिन्न स्थानों पर गतिविधियों और फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान अफ्रीकी कॉमनवेल्थ से 30 फिल्में शामिल की गई। इनके जरिए स्कॉटलैंड में बैठे दर्शक घाना में बाक्सिंग, रवांडा में साइकलिंग, केन्याज में लंबी दौड़ और दक्षिण अफ्रीका में सर्फिंग, नाइजीरिया में फुटबाल और ऐसी ही अन्य प्रतिस्पा्र्धाओं का आनंद उठा सकते हैं।

थिएटर

ट्रॉन थिएटर्स श्होम नेशन्श राष्ट्रलमंडल कार्यक्रम फेस्टिवल 2014 के अंतर्गत थिएटर के विभिन्ना आयाम शामिल किए गए, जिनमें सभी प्रकार की रूचि रखने वालों के लिए कुछ न कुछ अवश्य विद्यमान था। एडविन मोर्गन, डिलन थॉमस, सीमस हीने, कार्ल एन डफी जैसे रचनाकारों और अंडर मिल्का वुड, बीओवुल्फ,, जर्मन्स टेल्स 4 और ड्रीम्सि तथा अन्यघ नाइटमेयर्स से स्कॉटलैंड के लोग अत्य,न्तु प्रेरित हैं।

कामेडी

26 जुलाई को आप हरदीप सिंह कोहली और राष्ट्रमंडल से अनेक मेजबान कलाकारों के साथ ग्ला सगो ग्रीन कामनवेल्थ स्टैंड–अप कामेडी का आनंद उठा सकते हैं। बच्चोंर के लिए कामेडी के आयोजन के लिए किड्स कॉमेडी क्लीब के कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। 28 जुलाई को आप केल्विन बैंडस्ट्ैंड और लेजेंडरी फ्रेड मैकओले तथा अन्य मेहमानों के साथ समय बिता सकते हैं।

ग्लास्को राष्ट्रटमंडल खेल न केवल खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन का आयोजन है बल्कि यह एक बेजोड़ सांस्कृतिक उत्सव भी है, जो आमोद–प्रमोद से सराबोर है।

(स्रोत–www-glasgow**2014-**com)